इकाई - I

3. राख की रस्सी

सोचिए-बोलिए

प्रश्नः

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. यह किस प्रदेश का लोक नृत्य है?
3. अपने प्रदेश के कुछ लोक नृत्यों के नाम बताइए।

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

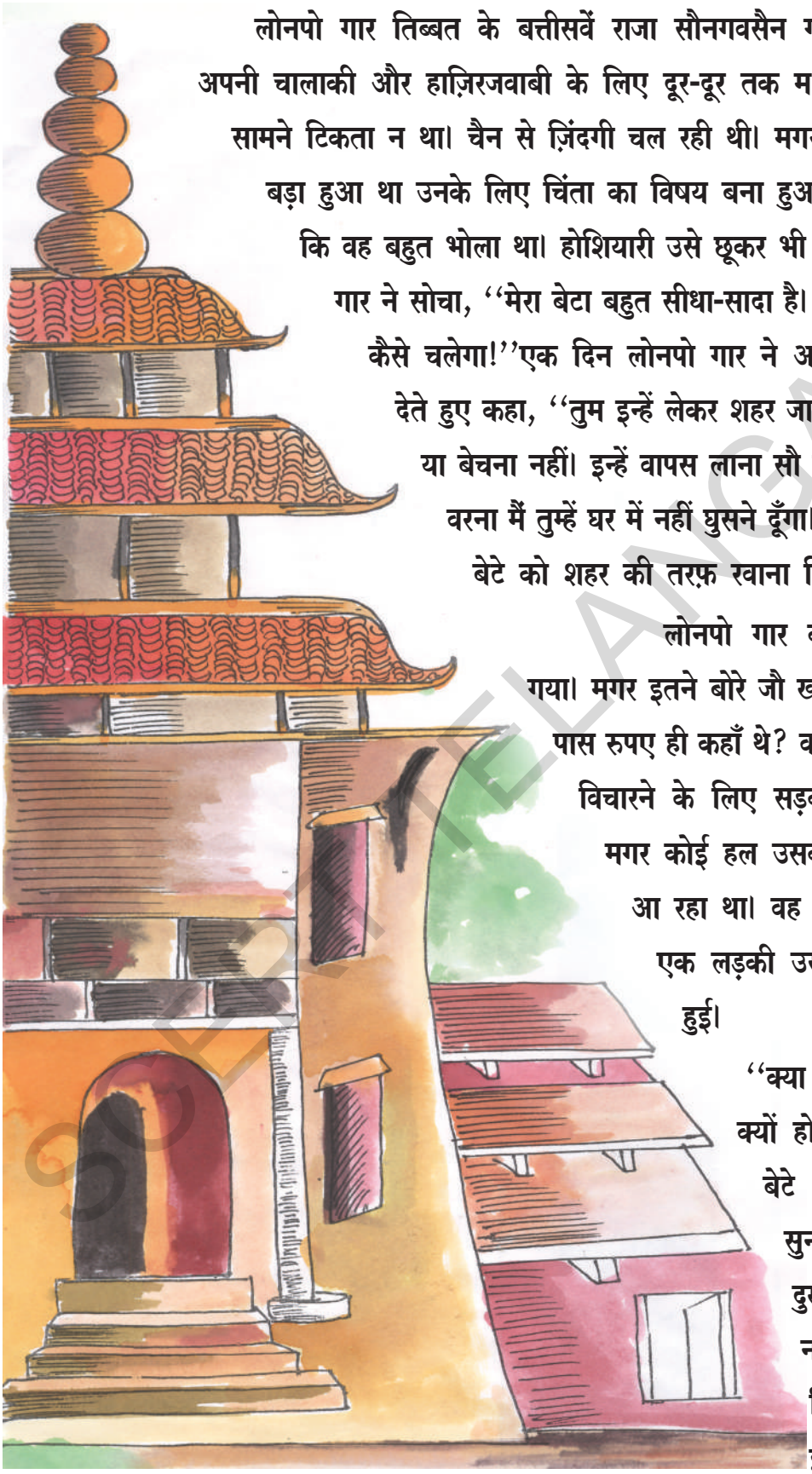

लोनपो गार तिब्बत के बत्तीसवें राजा सौनगवसैन गांपो के मंत्री थे। वे अपनी चालाकी और हाज़िरजवाबी के लिए दूर-दूर तक मशहूर थे। कोई उनके सामने टिकता न था। चैन से ज़िंदगी चल रही थी। मगर जब से उनका बेटा बड़ा हुआ था उनके लिए चिंता का विषय बना हुआ था। कारण यह था कि वह बहुत भोला था। होशियारी उसे छूकर भी नहीं गई थी। लोनपो गार ने सोचा, ''मेरा बेटा बहुत सीधा-सादा है। मेरे बाद इसका काम कैसे चलेगा!''एक दिन लोनपो गार ने अपने बेटे को सौ भेड़ देते हुए कहा, ''तुम इन्हें लेकर शहर जाओ। मगर इन्हें मारना या बेचना नहीं। इन्हें वापस लाना सौ जौ के बोरों के साथ। वरना मैं तुम्हें घर में नहीं घुसने दूँगा।'' इसके बाद उन्होंने बेटे को शहर की तरफ़ रवाना किया।

लोनपो गार का बेटा शहर पहुँच गया। मगर इतने बोरे जौ खरीदने के लिए उसके पास रुपए ही कहाँ थे? वह समस्या पर सोचने-विचारने के लिए सड़क किनारे बैठ गया। मगर कोई हल उसकी समझ में ही नहीं आ रहा था। वह बहुत दुखी था। तभी एक लड़की उसके सामने आ खड़ी हुई।

''क्या बात है तुम इतने दुखी क्यों हो?'' लोनपो गार के बेटे ने अपना हाल कह सुनाया। ''इसमें इतना दुखी होने की कोई बात नहीं। मैं इसका हल निकाल देती हूँ।'' इतना कहकर लड़की

SCERT TELANGANA

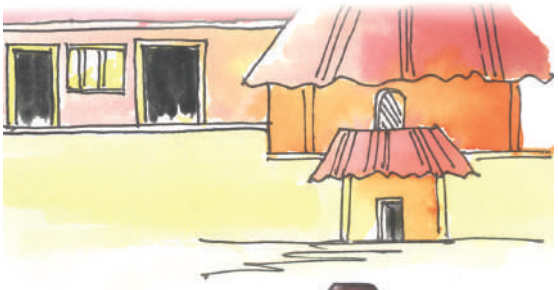

ने भेड़ों के बाल उतारे और उन्हें बाज़ार में बेच दिया। जो रुपये मिले उनसे जौ के सौ बोरे खरीद कर उसे घर वापस भेज दिया।

लोनपो गार के बेटे को लगा कि उसके पिता बहुत खुश होंगे। मगर उसकी आपबीती पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। वे उठकर कमरे से बाहर चले गए। दूसरे दिन उन्होंने अपने बेटे को बुलाकर कहा, ''पिछली बार भेड़ों के बाल उतारकर बेचना मुझे ज़रा भी पसंद नहीं आया। अब तुम दोबारा उन्हीं भेड़ों को लेकर आओ। उनके साथ जौ के सौ बोरे लेकर ही लौटना।''

एक बार फिर निराश लोनपो गार का बेटा शहर में उसी जगह जा बैठा। न जाने क्यों उसे यकीन था कि वह लड़की उसकी मदद के लिए ज़रूर आएगी। और हुआ भी कुछ ऐसा ही, वह लड़की आई। उससे उसने अपनी मुश्किल कह सुनाई, ''अब तो बिना जौ के सौ बोरों के मेरे पिता मुझे घर में नहीं घुसने देंगे।'' लड़की सोचकर बोली, ''एक तरीक़ा है।'' उसने भेड़ों के सींग काट लिए। उन्हें बेचकर जो रुपए मिले उनसे सौ बोरे जौ खरीदे। बोरे लोनपो गार के बेटे को सौंपकर लड़की ने उसे घर भेज दिया।

भेड़ें और जौ के बोरे पिता के हवाले करते हुए लोनपो गार का बेटा खुश था। उसने विजयी भाव से सारी कहानी कह सुनाई। सुनकर लोनपो गार बोले, ''उस लड़की से कहो कि हमें नौ हाथ लंबी राख की रस्सी बनाकर दें।'' उनके बेटे ने लड़की के पास जाकर पिता का संदेश दोहरा दिया। लड़की ने एक शर्त रखी, ''मैं रस्सी बना तो दूँगी, मगर तुम्हारे पिता को वह गले में पहननी होगी।'' लोनपो गार ने सोचा ऐसी रस्सी बनाना ही

SCERT TELANGANA

असंभव है। इसलिए लड़की की शर्त मंज़ूर कर ली। अगले दिन लड़की ने नौ हाथ लंबी रस्सी ली। उसे पत्थर से सिल पर रखा और जला दिया। रस्सी जल गई, मगर रस्सी के आकार की राख बच गई। इसे वह सिल समेत लोनपो गार के पास ले गई और उसे पहनने के लिए कहा। लोनपो गार रस्सी देखकर चकित रह गए। वे जानते थे कि राख की रस्सी को गले में पहनना तो दूर, उठाना भी मुश्किल है। हाथ लगाते ही वह टूट जाएगी। लड़की की समझदारी के सामने उनकी अपनी चालाकी धरी रह गई। बिना वक़्त गँवाए लोनपो गार ने अपने बेटे की शादी का प्रस्ताव लड़की के सामने रख दिया। धूमधाम से उन दोनों की शादी हो गई।

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. तिब्बत के मंत्री अपने बेटे के भोलेपन से चिंतित रहते थे? आप तिब्बत के मंत्री होते तो क्या उपाय करते?
2. 'होशियार' और 'चालाक' में क्या अंतर होता है? किस आधार पर किसी को आप होशियार या चालाक कह सकते हैं?
3. कुछ ऐसे व्यक्तियों के बारे में बताइए जो इतिहास में अपनी चतुराई और हाज़िरजवाबी के लिए प्रसिद्ध हैं?

पढ़िए

I. नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। पाठ के आधार पर इन्हें सही क्रम (1,2,....5) दीजिए।

1. उनकी अपनी चालाकी धरी रह गई। ( )
2. होशियारी उसे छूकर भी नहीं गई थी। ( )
3. मैं इसका हल निकाल देती हूँ। ( )

II. पाठ में से दो प्रश्नवाचक वाक्यों को चुनकर लिखिए।

III. पाठ पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. तिब्बत के मंत्री किसलिए प्रसिद्ध थे?
2. तिब्बत के मंत्री ने अपने बेटे के सामने कौन-सी तीन शर्तें रखीं?

SCERT TELANGANA

लिखिए

1. मंत्री ने अपने बेटे को शहर की तरफ़ रवाना किया। उसने अपने बेटे को शहर ही क्यों भेजा?
2. मंत्री ने अपने बेटे से कहा ''पिछली बार भेड़ों के बाल उतार कर बेचना मुझे जरा भी पसंद नहीं आया'' क्या मंत्री को सचमुच यह बात पसंद नहीं आयी थी? अपने उत्तर का कारण भी लिखिए।
3. जिन लोगों ने भेड़ों के बाल और सींग खरीदे होंगे,उन्होंने उनका क्या किया होगा?
4. मंत्री ने लड़की से नौ हाथ लंबी राख की रस्सी बनाकर देने के लिए ही क्यों कहा होगा?

शब्द भंडार

1. 'जौ' एक तरह का अनाज है, जिसका कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। इसकी रोटी बनाई जाती है, सत्तू बनाया जाता है और सूखा भूनकर भी खाया जाता है। अपने घर में और स्कूल में बातचीत करके कुछ और अनाजों के नाम पता कीजिए और लिखिए।

   उदाः गेहूँ

2. इस पाठ का शीर्षक राख की रस्सी है। रस्सी को किन-किन चीज़ों से बनाया जा सकता हैं? बताइए और लिखिए कि उन रस्सियों का उपयोग किन कामों में किया जा सकता है।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- 'सूझबूझ' या 'चतुराई' से संबंधित एक छोटी सी कहानी लिखिए।

प्रशंसा

आपके मित्र ने 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अपने मित्र की प्रशंसा में पाँच वाक्य लिखिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

1. 'गेहूँ' और 'जौ' 'अनाज' होते हैं। ये तीनों शब्द संज्ञा हैं। 'गेहूँ' और 'जौ' अलग किस्म के 'अनाज' हैं। इसलिए ये दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा है और अनाज 'जातिवाचक' संज्ञा है। इसी प्रकार 'मुसकान' व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं और 'पाठ्यपुस्तक' जातिवाचक संज्ञा है। नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण इन दो प्रकार की संज्ञाओं में कीजिए और लिखिए।

राज्य	धातु	शेरवानी	फल
ताँबा	तेलंगाणा	कपड़ा	केला

ऊपर लिखी हर जातिवाचक संज्ञा के लिए तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ लिखिए।

2. <u>क्या</u> बात है, तुम इतने दुखी क्यों हो ?

आप <u>कहाँ</u> जा रहे हैं ?

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। **क्या, कहाँ** इन शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त और भी ऐसे शब्द हैं जिनका प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है। **जैसे-कब, कैसे, किन, किधर, कितना** आदि। अब आप इन शब्दों का उपयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए।

परियोजना कार्य

विभिन्न प्रदेशों से संबंधित लोक कथाएँ पढ़िए और किसी एक लोक कथा को अपनी कॉपी में लिखिए ।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ। 2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ। 3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ। 4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ। 5. पाठ के आधार पर लोक कथा लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA